राष्ट्र निर्माण में सहयोगी है आध्यात्मिक मूल्य शिक्षा

मूल्य शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षा भूषण आवार्ड से किया सम्मानित

आबू रोड। बच्चों को भौतिक शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक शिक्षा भी दी जाए। तभी हम एक होनहार विद्यार्थी बना सकते हैं।

उक्त उद्‌गार गणपत विश्वविद्यालय, गुजरात के अध्यक्ष अनिल भाई पटेल ने आधुनिक युग में ईश्वरीय शिक्षा का महत्व विषय पर शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ऋषि-मुनियों की संस्कृति है। जहां माता-पिता को भी उच्च स्थान दिया जाता है। हमारी भावी पीढ़ी को इस संस्कृति से अवगत कराना है तो उसे मूल्यों की शिक्षा भी दी जानी चाहिए। शिक्षक भी छात्र को योग्य बनाकर राष्ट्र के निर्माण में सहयोग दे सकता है। वर्तमान समय बच्चों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक शिक्षा भी जरूरी है। ब्रह्माकुमारीज़ के सहयोग से हमारे विश्वविद्यालय में ज़ी आध्यात्मिक मूल्यों की शिक्षा लागू की गई। इसके लिए मैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्था को धन्यवाद देता हूं।

गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कर्नाटक के उपकुलपति एवं आर.वी.एस.ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, कोयम्बटूर के अध्यक्ष ने कहा कि आज समाज में आध्यात्मिक मूल्यों की आवश्यकता है जिसकी शिक्षा ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बहुत ही सहज ढंग से दी जा रही है। मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा ही हम रामराज्य ला सकते हैं।

शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय, सूचना एवं जनसम्पर्क के निदेशक बीके करूणा, लंदन की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके डेनिस, गुजरात जोन की प्रभारी बीके सरला ने भी इस कार्यक्रम के सफलता के प्रति अपनी शुभकामना व्यक्त की।